Title: Regarding drinking water shortage and water pollution in Kalahandi district in Orissa, Jaipur, Rajasthan, Kanpur and U.P.

SHRI BIKRAM KESHARI DEO (KALAHANDI): Sir, there is an acute drinking water crisis in the districts of Kalahandi, Bolangir and Koraput and that the water table has gone down.

MR. SPEAKER: We have discussed this subject yesterday. I think, you had participated in the debate also.

SHRI BIKRAM KESHARI DEO (KALAHANDI): That is right Sir, but this morning I have got a fax from the Collector of my area.

MR. SPEAKER: To raise the matter in the House!

SHRI BIKRAM KESHARI DEO: I took part in the debate but the condition is so acute there. Recently, there was a question in the Rajya Sabha where the hon. Minister gave a reply but there was no mention about the scarcity of water in Orissa. In *The Statesman* of 27th and in *The Pioneer* it has come out. I have got a fax from the Collector of my area that there is an acute drinking water shortage in most parts of the district. Out of 191 Panchayats, there is shortage of water in nearly 165 Panchayats where the ground water has gone to such a level where there is iron contamination, fluorosis and chemical contamination. Therefore, I would request the Central Government to immediately give adequate funds for the same, besides clearing the pending projects of pipe water supply for small and urban towns immediately.

SHRIMATI SANGEETA KUMARI SINGH DEO (BOLANGIR): Mr. Speaker Sir, I support the issue raised by the hon. Member from Kalahandi. As the House is aware, the districts of Kalahandi, Bolangir and Koraput have been reeling under drought conditions, I strongly urge the Central Government to release funds for the various projects in order to do away with acute scarcity of water.

श्री गिरधारी लाल भार्गव (जयपुर): अध्यक्ष महोदय, जयपुर में पेयजल के लिये रामगढ़ बन्धा है और जो नदी है, उसमें एनीकट बन जाने से बंद हो गया है। इसके अलावा जयपुर के आसपास जो बंधे और कुंये हैं, वे सब सूख गये हैं। तालाब और बंधे सब सूख गये हैं । हैंड पम्प का पानी काफी नीचे चला गया है।

13.00 hrs.

जयपुर शहर में इस समय पानी की एक्यूट समस्या है। मेरा निवेदन है कुओं की सफाई के लिए, तालाबों की मरम्मत के लिए, बांधों की मरम्मत के लिए केन्द्रीय सरकार हमें पैसा दे, जिससे कि इनकी मरम्मत हो सके और रामगढ़ के बंधे की खुदाई हो, जिससे कि उसमें अधिक पानी एकत्रित हो सके। चूंकि रामगढ़ के बंधे में मिट्टी भरी हुई है, जिसके कारण उसमें जितना पानी आना चाहिए, उतना पानी नहीं आ रहा है। मेरे निर्वाचन क्षेत्र फागी में फ्लोराइड वाला पानी होता है। इसलिए भारत सरकार पानी के लिए इन तालाबों और बांधों की मरम्मत और कुओं तथा रामगढ़ के बंधे की सफाई की व्यवस्था करे, यही मेरी आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से प्रार्थना है।

श्री श्याम बिहारी मिश्र (बिल्हौर) : माननीय अध्यक्ष जी, कानपुर उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा नगर है, इसकी आबादी 40 लाख है तथा कानपुर देहात जनपद की आबादी 30 लाख है। यह इलाका सूखे की चपेट में आ गया है, वहां का जल स्तर गिर गया है। सारे कुएं सूख गये हैं। तालाबों में जानवरों के लिए पीने का पानी नहीं है। उत्तर प्रदेश सरकार के पास पैसे की कमी है, मेरी केन्द्र सरकार से मांग है कि वह वहां के राहत कार्यों में सहयोग दे। कानपुर की पेयजल समस्या के लिए गंगा बांध का निर्माण चालू है। प्रदेश सरकार ने 50 परसेंट अपना हिस्सा दे दिया है। केन्द्र सरकार ने भी उसे मंजूरी दे दी है। मेरी केन्द्र सरकार से मांग है कि अपने हिस्से के पैसे को अति शीघ्र रिलीज कर दे। गंगा सफाई अभियान योजना केन्द्र सरकार की ओर से प्रारम्भ की गई थी, परंतु कानपुर में गंगा का जल प्रदूषित है। फरूखाबाद से रंगाई के कारखानों का रंग उसमें जाता है। चमड़ा उद्योग का कचरा उसमें जाता है। जो गंगा सफाई अभियान किया गया है, वह कागजों पर है। उसकी जांच कराई जाए और गंगा सफाई अभियान फिर से चालू करके गंगाजल को शुद्ध बनाया जाए, ताकि उसका पानी पेयजल के रूप में भी इस्तेमाल हो सके। यही मेरी प्रार्थना है।